



Suraj



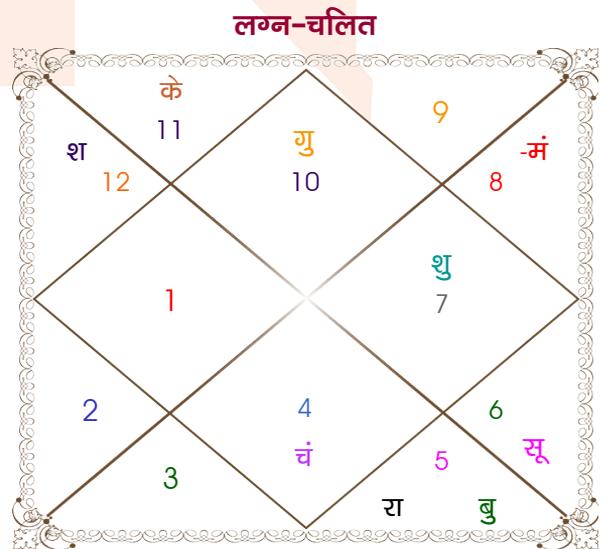
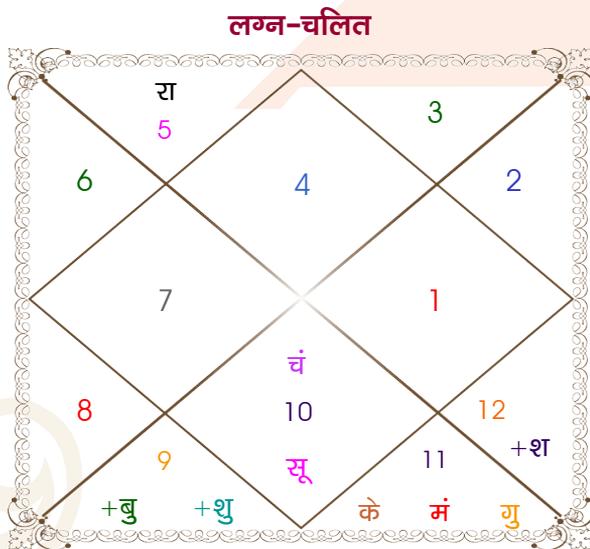
Bharti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120859302

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 28/01/1998 : _____ जन्म तिथि _____ : 27/09/1997
 बुधवार : _____ दिन _____ : शनिवार
 घंटे 17:20:00 : _____ जन्म समय _____ : 14:55:00 घंटे
 घटी 25:08:30 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 21:39:46 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Kaithal : _____ स्थान _____ : Dadri
 29:47:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:33:00 उत्तर
 76:29:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:33:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:24:04 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:19:48 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:16:36 : _____ सूर्योदय _____ : 06:10:41
 17:57:40 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:10:31
 23:49:45 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:49:28

विंशोत्तरी चन्द्र 4वर्ष 1मा 30दि राहु 30/03/2009 30/03/2027	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 7वर्ष 10मा 22दि शुक्र 19/08/2012 19/08/2032
राहु	11/12/2011	07:24:42	कर्क	लग्न	07:37:45	शुक्र
गुरु	06/05/2014	14:31:25	मक	सूर्य	10:28:59	सूर्य
शनि	12/03/2017	17:46:41	मक	चंद्र	23:48:32	चन्द्र
बुध	29/09/2019	08:36:57	कुंभ	मंगल	05:06:11	मंगल
केतु	16/10/2020	28:15:29	धनु	बुध	27:33:47	राहु
शुक्र	17/10/2023	04:31:58	कुंभ	गुरु व	18:27:43	गुरु
सूर्य	10/09/2024	26:04:45	धनु व	शुक्र	23:47:55	शनि
चन्द्र	12/03/2026	21:20:46	मीन	शनि व	24:04:45	बुध
मंगल	30/03/2027	16:57:28	सिंह व	राहु	25:55:11	केतु
		16:57:28	कुंभ व	केतु	25:55:11	
		14:51:18	मक	हर्ष व	11:01:57	
		06:08:50	मक	नेप व	03:23:37	
		13:44:12	वृश्चि	प्लूटो	09:33:27	



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Suraj का नक्षत्र श्रवण है।

Suraj का वर्ग मार्जार है तथा Bharti का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Suraj और Bharti का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Suraj मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।

वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Suraj कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Suraj कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Bharti मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Bharti कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Bharti कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Suraj तथा Bharti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।